

2686
I

1101
10412

11012

192
Vigna
kilana millis

ॐ नमः शीवन्तु मङ्गात्राय ॥ नमः विष्णु किलन-
विधि ॥ मङ्गात्राय ॥ किन्नरः क्षान् वून वून का व ॥
किन्नर गाय ॥ ॥ गीत ॥ यूर्ध्व द्युष्टा वल ॥ ॥ यूर्ध्व द्य ॥
ॐ नमः ॥ ॥ उद्यद्यद्याटय रसवत् रस्य नन्द रट ॥
उत्किलय रसवत् याया नन्द रट ॥ ॐ वज्र मूर्ति ल- आका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वे इष्टसकलवद
 दिसयवित्रा लानुकिवय २६६६६ ॥ म्बलानुशान्यादि
 अकखन ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यथायदावयूजा ॥ ॥ नीलवल्गुमहावीला ॥ स्वर्गपा
 नं कनकधौ ॥ सर्वे इष्टनिष्ठान्ता ॥ अत्रलवीलन

मस्तुन ॥ गहन ॥ गीन ॥ दक्षिण ॥ अष्टम ॥
यीगायत्र ॥ उं घ घ घा टय र स व र सान रं रूट ॥ उं
कि व र र स व य यान रं रूट ॥ उं व ज मू जे ल ॥ आ का
टय रं रूट ॥ उं आ ० रू ० यी गा य ल स व र स ज
मा आ ल ना दि स य त्रि वा ल न कि ल य रं रूट ॥

आ के र व न ॥ उं यी गा य त्रा य व ज यू षं य नि च्छ सा दा ॥ ३ ॥
यं वा य दा व यू जा ॥ ॥ यी न व र स दा वी ला ॥ र व जी या
आ के र व र सी ॥ स व र स नि च्छ ना ना ॥ यी गा य ल न म स्तु
न ॥ गहन ॥ ० नि ॥ दक्षिण ॥ अष्टम ॥ ॥ गीन ॥ धन ॥
य च्छि म ॥ नै अ य ॥ व का य ल ॥ उं घ घ घा टय रं उं आ ० रू

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं क्षमा मा च ल
सर्वदुष्टहर्त्रा नमो नमस्तस्मै विद्वात्तनकिशोर २
हृदय ॥ ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ॐ क्षमा मा च लायवज्रयूष्यं
यनिच्छन्नाह ॥ ३ ॥ यथायहावयूजा ॥ ॥ क्षमा मा च ल
महावीर्यवान् श्रीकृष्णाय नमः ॥ सर्वदुष्टनिघ्नानाम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गीत ॥ धन ॥ उद्ध
भूद्व ॥ ॥ स्वगायल ॥ उं घ द्या टर २ ॥ उं आः हूं
स्वगायल सवे इष्ट वस्तु दि यनु लालान् ॥ थाम विनस
यत्रिना त्रान् कि वर २ हूं रुट् ॥ आ के खन ॥ उं स्व गा
चराय वज यूषाय निष्क म्हा दो ॥ शायै शाय हा प्रय ऊा ॥
२१ भूद्व कि वर हूं रुट् ॥ उद्ध कि वर हूं रुट् ॥ २

ह्येगाचलमहावीला ॥ रवेऽयं जगत्कनकधौ ॥ सर्वदृष्ट
 निकृष्टान् ॥ ह्येगाचलं नमस्तुते ॥ ॥ गत्यन ॥ ॥
 धन ॥ अत्रायन ॥ दक्षिणायनाय नमः ॥ ॥ भाष्य-
 द्वादिदृष्टकथ्यवृष्ट ॥ सिंहाद्विषाद्विकं ॥ कथा-
 तयद्विषाद्वि ॥ जगत्कनकधौ ॥ रवेऽयं जगत्कनकधौ ॥ नमः ॥

वेदभय निमल गङ्गा ॥ इत्यनेन सा त्रयः ॥ श्री अरुं य
नि की लय नु ज गंगा ॥ विद्या यज्ञा न्क य वं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
थन ॥ म धुत्रया ॥ म श्वस शो डा न ॥ यूवा कि र्द १ था यः
नायार ॥ थन ॥ वसू क्षत्रा सि दान ॥ गी न ॥ वं रु व व
सू क्षत्रा ॥ ॥ थन वि ॥ म जान ॥ थं ॥ उ थं इ था ॥ ० ॥

॥ उदस कि व द्य ॥ वि श्व ना थ वि श्व व्या पि ॥ व म्मा दि रु नी
रु व रु गु मा न ॥ वि द्य वि र्ध स नि दे व ॥ मू ष ॥ उ द न म रु
ते ॥ ॥ मू का प्रामू य था दी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ग न स पू ज्ञा ॥ ॥ ग हा प ति च न म स्या मि ॥ न क द न
ग जा न नं ॥ स त व र्ध न म स्या मि ॥ व्वा न य र्ध न म स
ने ॥ म द्र या ॥ उ डा शी ॥ इ र र ग हा प ति वि द्य

नासाय हं हं ॥ धन ॥ गद्यपती स्वनव धु ॥ अरु
नतर ॥ हं हं हं हं ॥ धन ॥ स्वनव धु ॥ मूषकै ग
द्यपति हं हं नः कृत्रिव कृ ॥ सूर्यय ह्यय विनी
च नु नु ॥ सूर्यय ह्यय विनी ॥ वासा त्या मल के
द धन ॥ विद्युता ज विराय ॥ अकषत ॥

उं गं गद्यपती स्वनव धु ॥ गद्यपती स्वनव धु ॥ उं ग
द्यपती स्वनव धु ॥ उं गद्यपती स्वनव धु ॥ उं ग
द्यपती स्वनव धु ॥ यजु नु नि ॥ नि अदि त्या
वरा साय विद्या च न दाय न ॥ ला कार्थ सिद्धि दा न
य ॥ गद्यपती स्वनव धु ॥ वनी ॥ नमा म न काय

वाक्यि नमो वज्र कोषाय महोत्तमैक नरे न
वाय ॥ अग्निमस्रयत्र सुपा नष्ट दान ह नाय

ॐ नमो वज्राय ॥ सुफलाज कृमाह ॥ गुरुम दलदिगुत्रि ॥
कंसुपुजा ॥ अग्निधायन ॥ धूनकाठ ॥ काक वत्रि ॥ करव
जाविय ॥ धन हानाद्रुति ॥ धनत्री ॥ अक्रिसि य ॥ क
सि अ सुत्रि अ नय ॥ अ ॥ हि नय ॥ स ता व नय ॥
स ता दे व न ॥ कंसुख ता स न या व यं चा मि न न सि त ॥ स ता

नय्यात्रनिधत्रखरायक ॥ थकायात्र ॥ सिद्धत्रखरास
नय ॥ यचगयनमित्र ॥ संखलखनसि ॥ थनत्रीअथि
थयनयादा ॥ नत्रनलियाय ॥ कायका ॥ नूननाय
त्रदवाकद ॥ थुनिकासं ॥ कायइत्र ॥ थनेजायमम
इगगयायादहनहन ॥ काय ॥ उवैयापाविश्वधन
हनकाय ॥ उसर्वकमावतनानिरमिक्रनहन
उविनयावतनाहिरुद ॥ उहंविश्वधमावत
नाहिरुद ॥ ० ॥ उकत्ररधकरहनरआवतना

निरुद ॥ उहंसलरयसत्ररआवतनानिरुद ॥
उहंरुत्रसर्ववनानिरुद ॥ उहंरुदसर्ववतना
हिरुदयहन ॥ उहनसवावलनाहिरुद ॥ ० ॥
उगानसर्ववतनाहिरुद ॥ उकिदरसर्ववनाहि
रुद ॥ उदहनसवावतननत्रकगानिहनहन ॥
उयवरसर्वयनगानिहनहन ॥ उमथरनिजकहन
हनहन ॥ थुनिगोत्रनयाय ॥ धनडाबसि ॥

१५ तमः प्रवक्तृ सत्वाय १५ वृद्ध



२॥ रागमात्रं ॥ ५॥ कवडन ॥ तलसक ॥ ७॥ रात्रकना ॥ चकु
हजखगयसुकसलधनूधरा ॥ नमामिश्रीमऊश्री
यमनेनैश्वरा ॥ दहि नगधयनि ॥ वामुश्रीमहाकात्र ॥
सगनमशु तमाअयकानिहना ॥ १॥ शिनिहना
नाया ॥ विश्वव्यापिना ॥ नमहालयवरुव्याधिदत्रि
नहना ॥ १॥ वज्रधनयसा ॥ त्रि ॥ दामहनयिमा ॥
गुत्रचननमात्रिधि ॥ वत्रयुग्मदा ॥ १॥

हाम विष्णु : जह माहा गौबल

१३ नभा वृत्तार ॥

आशा नमः काशि
2686 I
SHRI ARCHIVES

मम

क

१३ नभा वृत्तय ॥

आभा नमः कथि

2686

I

ARCHIVES

ॐ नमः श्री हामपूजा विधि ॥ धनत्रि ॥ सूर्यार्घ्य ॥ पूजा ॥
हवजाय ॥ गुग्गुलु ॥ दशुत्रीशर ॥ कवस
नास ॥ वंदे न्यास ॥ पंचक्षत्रायूजा ॥ धूमिधून
काव ॥ ऊहालंहरशर ॥ यथदुमि ॥ मधुलह्व
नादुमि ॥ धूनकाव ॥ दवपूजा ॥ वूप ॥ जाय

नवाजन ॥ बाह्यनगपन ॥ कृष्णमूलावक्र
पूजागनस ॥ शिव ॥ वृद्ध ॥ त्रीया ॥ नृगवशा ॥ स
वा ॥ गववा ॥ हि ॥ ऊजमान ॥ वकिमरुयके ॥
वसायावरुय ॥ धन ॥ मन ॥ रु ॥ गावा ॥ सरुन
वंशव ॥ धयावरुय ॥ स्वमिवाक् ॥ दिगवती ॥

महावत्रि-वृत्रकमावत्रि॥ ॥थन-जिन्नसाध
याय॥ॐ आःख छत्राहं हं हट॥संभवमनह
य॥ॐ सर्वपापविजयप्र-धस्त्राह॥पंचवत्स
थ-ध॥थन-वजनधिय॥शून्यमवजगसः

वैशून्यमाकर-धारुव-हि-त्वाइ-गामिरुक्त
सुखादनीमवानुयात्॥ ॥ॐ आःहु-कवभवं
खनदुय॥पंचामृग-सानान-पंचवक्त्र-
यन॥पंचापकात्रयुजायाय॥दिष्टिभय-सिद्ध
वक्तिक॥थन-आ-दू-पागयि-ध-अ-इ-वाव

नयि॥क्ष॥दूमात्रीकानयि॥क्ष॥पंचरसूत्रका
नयि॥क्ष॥जायखाननगर॥पंचायकात्रयूजा॥
ऊषमा॥धन॥त्रिदंडऊमान॥पंचरसूत्रका
नशायकात्र॥जायशाय॥धन॥मित्रस॥पंचा
दूसकाय॥मित्रस॥दंडनागर॥ऊऊमान॥

मित्र॥खानन॥क्ष॥धन॥पंचरसूत्रका॥जायका
सुफियाय॥स॥क्ष॥पंचगवविय॥भूय
जाय॥पंचायकात्रयूजा॥धन॥ऊऊनल॥मि
त्रकनकनय॥भूयादिकाकायाडाव॥भूय॥
दानयनऊऊमानस॥भूयाकायाग्य॥साकार

जिवाद्गिउरूयूजानिमितिर्थः जिवाद्गि
गृह्ण १२३४५६७८९०॥ जिवः वाहा नुमिः दा
य ॥ थनः पंचायतवयूजा ॥ थनः पंचवक्त्रा-
दायकः ॥ गीनः कावशि ॥ थनः नृगवथा ॥ म
था ॥ आद्गि विरय ॥ थनः स्वाङ्गा ॥ आद्गि विरय

॥ निष्ठा ॥ गुग्गुलुमधुलदनक ॥ विसृज्य ॥ नमोऽन ॥
मगद ॥ नमोऽन ॥ सव्यन ॥ सिद्ध ॥ सिद्धाद् ॥
नि ॥ ऊऊमान ॥ यूष्ण ॥ ऊऊपक ॥ यूष्ण ॥ थन
वगुमादावाजायाग ॥ आद निविय ॥ थन ॥ मूव
यूष्णयाग ॥ दगुववीविय ॥ स्नानत ॥ ध ॥ गुग्गुलु ॥

कृमायन ॥ ॐ ॥ ॥ थन ॥ चवयूनि ॥ द
खकडात ॥ वायूक ॥ आय ॥ चयूयूजायाग ॥
मादिनं ॥ शु रु दं हामं ॥ चटकदववाऊक ॥
अनक ॥ अरुवगमि ॥ दिव्यनिश्चिगं ॥ ॥
दुवन्दक ॥ वाया ॥ चवयूनि ॥ दिनाखयाव ॥ श्ववा

ॐ कोमात्रीया ल्पुल्ले ॥ निवाद्रुतिउहू या न ध
 काव ॥ अनावदहाव ॥ दवया ॥ अ ॥ ॐ ॥
 या क दहाव ॥ कवद्रुति ॥ थपूयनियान ॥ म
 वगुआसिकाइहावदा ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥
 दिनाया नावके ॥ मरु ॥ नागवा आ मूयासहे

ॐ दिगं निवक्षमं वगत्तानि श्यप्रिर्नंगनः ॥
 ॥ ॐ मरु ॥ या नावसदहाव ॥ नागवा आ
 या ॥ वाव कोमात्रीया ल्पुल्ले ॥ निवाद्रुतिउ
 हू या न ध काव ॥ या नावसदहाव ॥ नागवा
 जाया क कवद्रुव ॥ थ ॐ नानयनियान

श्री

मंगल गुरी ॥ अहि का क दाव वा ॥

ॐ नमः श्री वर स त्वा य ॥ ४ ॥ पितृ क्रिया माह ॥ ५ ॥
आ ग र्थं अ प ना धू न का उ प ॥ ६ ॥ श्री सु र्था
द य आ य ॥ नौ या य के ॥ आ च य नं प्र ती क र्त्वा
ह म ॥ ७ ॥ सी द्वा त्म व र्णी दे व या त तिक व र्णी र्ज
मा नं ती य ॥ ८ ॥ सु व र्त्त ती ल क वि भू ष नं सि न
सी च न्द्र नं द नं आ त ॥ ९ ॥ स्या ज्ञ की त

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or account, spanning five lines on the top page. The text is faint and mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or account, spanning five lines on the bottom page. The text is faint and mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.



Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical treatise. The text is arranged in approximately five horizontal lines across the upper half of the page. The ink is a reddish-brown color, and the script is somewhat faded and irregular, characteristic of older manuscripts. The lines are roughly as follows:

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

Handwritten text in Devanagari script, continuing the text from the upper half. The text is arranged in approximately five horizontal lines across the lower half of the page. The ink is a reddish-brown color, and the script is somewhat faded and irregular, characteristic of older manuscripts. The lines are roughly as follows:

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...

